BABA MASTNATH UNIVERSITY

UNIQUE BLEND OF ACADEMICS AND SPIRITUALITY | www.bmu.ac.in
(RECOGNISED BY UGC) ROHTAK, DELHI -NCR

Internal Quality Assurance Cell

ACADEMIC EVENT APPROVAL FORM

Academic Session:...2024-2025

Proposed Event:	1. Seminar 2. Conference 3. Workshop 4. Training 5. Short Term Course Extension Lecture		
Faculty Name:	Humanities.		
Department Name:	Hindi		
Topic:	वर्तमान में प्रेमचन्द साहित्य की प्रासंगिकता		
Duration: (in days)	one day 30.07.2024	Proposed Mode (Online or Offline) Date & Time:	offline 30.07.2024, 10:30 AM
Proposed Fee (Rs.) (if any)	Amount in figure and words NO		
Speaker's Profile :	Retd Professor. Sanjeev Kumar Deptt of Hindi M.D.U, Rohtak		
Convener:	Dr. Suman Rathee		
Co-Convener (if any):	—		
IQAC Reference No:			

26/07/24 26/07/24
H.O.D./Secretary
(Signature with Full Name)

Dean/Chairperson
(Signature with Full Name) B.M. Yadav 27.7.25
Dean,
Baba Mastnath University,
Rohtak

Director (IQAC) 27/7/23

Approved
27.7.2024
Vice-Chancellor

Registrar 26/7/24

Final Approval Status: 1. Approved 2. Not Approved 3. Reversed for Corrections

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

आधुनिक संदर्भ में भी प्रेमचंद प्रासंगिक हैं : डॉ. संजीव कुमार

रोहतक (वि)। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के मानविकी संकाय के हिंदी विभाग में मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर प्रसार व्याख्यान का आयोजन किया गया। मानविकी संकाय के अधिष्ठाता व अध्यक्ष अंग्रेजी विभाग के प्रो. बीएम यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुंशी प्रेमचंद को पाश्चात्य साहित्यकार शेक्सपियर के साथ जोड़कर कहा कि वह सार्वभौमिक लेखक हुए हैं। प्रो. बीएम यादव ने बताया कि गोदान का अंग्रेजी में अनुवाद हुआ है और यह अंग्रेजी के विद्यार्थियों को भी पढ़ाया जाता है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रोफेसर संजीव कुमार, पूर्व अध्यक्ष हिंदी विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय को सम्मानित किया गया। प्रो. संजीव कुमार ने वर्तमान में मुंशी प्रेमचंद की प्रासंगिकता विषय पर मुख्य वक्तव्य देते हुए शोधार्थियों को समाज की परिस्थितियों से संघर्षरत रहने की प्रेरणा प्रदान की।

प्रेमचंद के विश्वविख्यात उपन्यास 'गोदान' को केन्द्र में रखकर महिला सशक्तीकरण, कृषक जीवन, अंधविश्वास व विभिन्न कुरीतियों से परिचित करवाया। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो बाबूराम ने मुंशी प्रेमचन्द का संक्षिप्त परिचय देते हुए वर्तमान में उनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्षा प्रो. ब्रह्म प्रकाश ने मुंशी प्रेमचंद के विषय में महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

कार्यक्रम के आयोजन में हिंदी विभाग की डॉ. सुमन राठी का विशेष सहयोग रहा। मंच संचालन हिंदी विभाग से डॉ. प्रवेश कुमारी ने किया। कार्यक्रम में छात्र कल्याण विभाग के अधिष्ठाता, प्रो. सुधीर मलिक, इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. यशपाल के साथ प्रो. राजेंद्र सिंह, प्रो. आशा सहारन, प्रो. सोमवीर, डॉ. हरिओम, डॉ. पुष्पा व अन्य विभागों के शोधार्थियों सहित हिंदी-विभाग के 50 विद्यार्थी और शोधार्थी उपस्थित रहे। शोधार्थी धर्मवीर, मधु व कविता ने भी विचार प्रस्तुत किए

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर प्रोफेसर संजीव कुमार को सम्मानित करते प्रोफेसर बीएम यादव व अन्य। स्रोत : विवि

एनपीटीईएल जागरूकता ई-कार्यशाला का आयोजन

रोहतक (वि)। स्वयम और आईआईटी मद्रास की टीम ने एसटी हिंदू कॉलेज, नागरकोइल, तमिलनाडु और बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक, हरियाणा के सहयोग से एक दिवसीय एनपीटीईएल जागरूकता ई-कार्यशाला का आयोजन ई-प्लेटफॉर्म के माध्यम से किया। इस कार्यशाला का उद्घाटन बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचएल वर्मा और एसटी हिंदू कॉलेज नागरकोइल, तमिलनाडु प्राचार्य डॉ. टीएम पद्मनाभन की ओर से किया गया। डॉ. एचएल वर्मा ने अपने उद्घाटन संबोधन में एनपीटीईएल के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह प्लेटफॉर्म उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा को सुलभ बनाता है और डिजिटल लर्निंग को प्रोत्साहित करता है।

आधुनिक संदर्भों में भी प्रेमचंद प्रासंगिक हैं : डॉ. संजीव कुमार

रोहतक, 31 जुलाई (पू.सं.)। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के मानविकी संकाय के हिंदी विभाग में मुंशी प्रेमचन्द की जयंती के अवसर पर प्रसार व्याख्यान का आयोजन किया गया। मानविकी संकाय के अधिष्ठाता व अध्यक्ष अंग्रेजी विभाग प्रो. बी.एम. यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुंशी प्रेमचन्द को पाश्चात्य साहित्यकार शेक्सपियर के साथ जोड़ कर कहा कि मुंशी प्रेमचंद भी सार्वभौमिक लेखक हुए हैं। प्रोफेसर बी.एम. यादव ने बताया कि गोदान का अंग्रेजी में अनुवाद हुआ है और यह अंग्रेजी के विद्यार्थियों को भी पढ़ाया जाता है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रोफेसर संजीव कुमार पूर्व अध्यक्ष हिंदी विभाग महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय को सम्मानित किया गया। प्रोफेसर संजीव कुमार ने वर्तमान में मुंशी प्रेमचन्द की प्रासंगिकता विषय पर मुख्य वक्ता ने अपना वक्तव्य देते हुए शोधार्थियों को समाज की परिस्थितियों से संघर्षरत रहने की प्रेरणा प्रदान की तथा मुंशी प्रेमचन्द्र के विश्वविख्यात उपन्यास 'गोदान' को केन्द्र में रखकर महिला सशक्तिकरण, कृषक जीवन, अंधविश्वासों व विभिन्न कुरीतियों से परिचित करवाया। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो बाबूराम ने मुंशी प्रेमचन्द का संक्षिप्त परिचय देते हुए वर्तमान में उनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला और कहा कि मुंशी प्रेमचंद बहुमुखी प्रतिभा संपन्न साहित्यकार रहे हैं। उप-अधिष्ठाता प्रो. वरुण कुमार झा (अंग्रेजी विभाग)ने भी मुंशी प्रेमचंद और उनके साहित्य को समृद्ध साहित्य बताते हुए उन्हें एक ऐतिहासिक रचनाकार बताया। राजानीति विज्ञान विभाग के अध्यक्षा प्रो. ब्रह्म प्रकाश ने मुंशी प्रेमचन्द के विषय अपने बहुमूल्य विचार देकर महत्वपूर्ण जानकारियां दी। कार्यक्रम की सफल आयोजन में हिंदी विभाग की डॉ. सुमन राठी का विशेष सहयोग रहा।

Scanned with OKEN Scanner

एनपीटीईएल जागरूकता ई-कार्यशाला : उच्च शिक्षा की डिजिटल क्रांति

रणघोष अपडेट. रोहतक

स्वयम और आईआईटी मद्रास की टीम ने एस.टी. हिंदू कॉलेज, नागरकोइल, तमिलनाडु और बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक, हरियाणा के सहयोग से एक दिवसीय एनपीटीईएल जागरूकता ई-कार्यशाला का आयोजन ई-प्लेटफॉर्म के माध्यम से किया। इस कार्यशाला का उद्घाटन बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. एच.एल. वर्मा और एस.टी. हिंदू कॉलेज नागरकोइल, तमिलनाडु प्राचार्य डॉ. टी.एम. पद्मनाभन द्वारा किया गया।डॉ. एच.एल. वर्मा ने अपने उद्घाटन संबोधन में एनपीटीईएल के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह प्लेटफॉर्म उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा को सुलभ बनाता है और डिजिटल लर्निंग को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में एनपीटीईएल की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और छात्रों और शिक्षकों को इस प्लेटफार्म का अधिकतम उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।डॉ. पद्मनाभन ने एनपीटीईएल द्वारा प्रदान किए जाने वाले विभिन्न कोर्सेस और उनके महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एनपीटीईएल छात्रों को नवीनतम तकनीकी ज्ञान और कौशल प्राप्त करने में मदद करता है, जिससे वे तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में प्रतिस्पर्धात्मक बने रहते हैं। डॉ. मनोज कुमार, रजिस्ट्रार बीएमयू, डॉ. नवीन कुमार, डीन अकादमिक मामले और परीक्षा नियंत्रक पूरे सत्र के दौरान मौजूद रहे। उन्होंने अपने विचार साझा किए और छात्रों को एनपीटीईएल के महत्व के बारे में जागरूक करते कहा कि 'एनपीटीईएल के माध्यम से, हम उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक नई दिशा की ओर बढ़ रहे हैं'।श्रीमती प्रियदर्शनी, एनपीटीईएल कोऑर्डिनेटर ने एनपीटीईएल के प्लेटफॉर्म के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि एनपीटीईएल कैसे विभिन्न विषयों में उच्च गुणवत्ता वाले कोर्सेस प्रदान करता है और छात्रों को अपने कौशल को विकसित करने में मदद करता है। उन्होंने एनपीटीईएल की पंजीकरण प्रक्रिया, कोर्स सामग्री और प्रमाणपत्र की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी। मिस भराठी, रिसोर्स पर्सन ने अपने वक्तव्य में एनपीटीईएल के विभिन्न कोर्सेस और उनकी उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने छात्रों को एनपीटीईएल के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने और अपने करियर में उन्नति के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि एनपीटीईएल के कोर्सेस छात्रों को नवीनतम तकनीकी ज्ञान और कौशल प्राप्त करने में सहायता करते हैं। अंतिम सत्र में डॉ संगीता मालिक ने मूक और स्वयं के लोकल चैप्टर एनपीटीईएल के बारे में बताया। उन्होंने एनपीटीईएल के स्थानीय चैप्टर की स्थापना और इसके लाभों पर चर्चा की। डॉ. संगीता मालिक ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया और उन्हें एनपीटीईएल के माध्यम से उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यशाला में 1000 से अधिक शिक्षक और विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस सफल आयोजन ने उच्च शिक्षा में एनपीटीईएल की महत्वपूर्ण भूमिका को पुनः स्थापित किया और इसके माध्यम से छात्रों और शिक्षकों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करने के महत्व को रेखांकित किया। प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला को अत्यंत लाभकारी बताया और इसे अपने शैक्षिक और व्यावसायिक विकास में सहायक माना।

आधुनिक संदर्भों में भी प्रेमचंद प्रासंगिक हैं : डॉ.संजीव कुमार

ऋषि की आवाज रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के मानविकी संकाय के हिंदी विभाग में मुंशी प्रेमचन्द की जयंती के अवसर पर प्रसार व्याख्यान का आयोजन किया गया। मानविकी संकाय के अधिष्ठाता व अध्यक्ष अंग्रेजी विभाग प्रो० बी.एम. यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुंशी प्रेमचन्द को पाश्चात्य साहित्यकार शेक्सपियर के साथ जोड़ कर कहा कि मुंशी प्रेमचंद भी सार्वभौमिक लेखक हुए हैं। प्रोफेसर बी.एम. यादव ने बताया कि गोदान का अंग्रेजी में अनुवाद हुआ है और यह अंग्रेजी के विद्यार्थियों को भी पढ़ाया जाता है।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रोफेसर संजीव कुमार पूर्व अध्यक्ष हिंदी विभाग महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय को सम्मानित किया गया। प्रोफेसर संजीव कुमार ने ॰वर्तमान में मुंशी प्रेमचन्द की प्रासंगिकता - विषय पर मुख्य वक्ता ने अपना वक्तव्य देते हुए शोधार्थियों को समाज की परिस्थितियों से संघर्षरत रहने की प्रेरणा प्रदान की तथा मुंशी प्रेमचन्द्र के विश्वविख्यात उपन्यास %गोदान% को केन्द्र में रखकर महिला सशक्तिकरण, कृषक जीवन, अंधविश्वासों व विभिन्न कुरीतियों से परिचित करवाया।

कार्यक्रम की सफल आयोजन में हिंदी विभाग की डॉ. सुमन राठी का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का मंच संचालन हिंदी विभाग से डॉ. प्रवेश कुमारी के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में छात्र कल्याण विभाग के अधिष्ठाता, प्रो. सुधीर मलिक, इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. यशपाल के साथ प्रो. राजेंद्र सिंह, प्रो.आशा सहारन, प्रो. सोमवीर डॉ. हरीओम, डॉ. पुष्पा व अन्य विभागों के शोधार्थियों सहित हिंदी-विभाग के लगभग 50 विद्यार्थी और शोधार्थी उपस्थित रहे। शोधार्थी धर्मवीर, मधु शर्मा व कविता ने भी अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये।

Scanned with OKEN Scanner

आधुनिक संदर्भों में भी प्रेमचंद प्रासंगिक हैं : संजीव कुमार

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर प्रोफेसर संजीव कुमार को सम्मानित करते हुए प्रोफेसर बीएम यादव व अन्य। ● जागरण

जागरण संवाददाता●रोहतक : बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के मानविकी संकाय के हिंदी विभाग में मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर प्रसार व्याख्यान का आयोजन किया गया। संकाय के अधिष्ठाता व अध्यक्ष अंग्रेजी विभाग प्रो. बीएम यादव ने बताया कि गोदान का अंग्रेजी में अनुवाद हुआ है और यह अंग्रेजी के विद्यार्थियों को भी पढ़ाया जाता है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रोफेसर संजीव कुमार पूर्व अध्यक्ष हिंदी विभाग महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय को सम्मानित किया गया। प्रोफेसर संजीव कुमार ने ''वर्तमान में मुंशी प्रेमचंद की प्रासंगिकता'' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में शोधार्थियों को समाज की परिस्थितियों से संघर्षरत रहने की प्रेरणा प्रदान की तथा मुंशी प्रेमचंद के विश्वविख्यात उपन्यास 'गोदान' को केंद्र में रखकर महिला सशक्तिकरण, कृषक जीवन, अंधविश्वासों व विभिन्न कुरीतियों से परिचित करवाया। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. बाबूराम ने मुंशी प्रेमचंद का संक्षिप्त परिचय दिया। उप-अधिष्ठाता प्रो. वरुण कुमार झा, (अंग्रेजी विभाग) ने भी मुंशी प्रेमचंद और उनके साहित्य को समृद्ध साहित्य बताते हुए उन्हें एक एतिहासिक रचनाकार बताया। राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. ब्रह्म प्रकाश ने मुंशी प्रेमचंद के विषय में महत्वपूर्ण जानकारियां दी। कार्यक्रम के आयोजन में हिंदी विभाग की डा. सुमन राठी का विशेष सहयोग रहा। मंच संचालन हिंदी विभाग से डा. प्रवेश कुमारी ने किया।

कार्यक्रम में छात्र कल्याण विभाग के अधिष्ठाता, प्रो. सुधीर मलिक, इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. यशपाल के साथ प्रो. राजेंद्र सिंह, प्रो. आशा सहारन, प्रो. सोमवीर, डा. हरीओम, डा. पुष्पा व अन्य विभागों के शोधार्थियों सहित हिंदी-विभाग के 50 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner